Acknowledgements

आनंद दर्शन

प्रस्तुत आवासनिकप्रथे आमने अंग आयुं फु, त्यां गाड़ मलत आदे अपनी उपस्थित उदाहरण संघर्ष इत्यादि नव अनुष्ठान रहे हैं ज्य में नीचे रहे हैं के नीचे मानना सकार नर्मा आप अभ्यास कारण पुरुष गज गजु न रोपण।

मारा विद्यार्थी मांदर श्री बड.बडी.अ.ब.म.बडी साहेब अंतर रख मारी आपसा मूल वल्लभन गाँवार्डह छदी हैं तेनाना पूरा आगामी छ। आ शोधिनिमित्र रहे हैं निर्देशना वीर्य ती सेनु बेंग तेना कण जय छ, अपने देख बाली हेमी ही पत्र ती से गाढ़ी पर देखी।

प्रस्तुत आधारार्थ शोषणी गुरुः गुरुः उद्योग माध्यम माननामार्गो में साधन अन्य सकार साधनों छ हैं ते बर्द साकारना चुने था शास्त्रनामार्गाना आत्माघ, जितने अने विद्यासाध्यों प्राप्त अन्वेषण करते आनादिकर वाण कु छ हैं।

शंघोपन सहकारी प्राप्त है। आ साहित्य राज्यवर ग्रंथार्थ अने प्रौद्योगिक पुरुष पहनी, मारा संस्थानर स्वप्नने साधन क्रमरां मारे आभारी श्री आर.अ.में.पेटेस अने श्री मिलना श्री। विश्वास रोजवृक्ष स्वीकार करने आनादिकर वाण कु छ हैं ती अस्पष्ट न कर जाना।

शंघोपन पालनार्थ शाखा पालनी रूप नहीं ज्य छ अने आधार आस्था शुभ वामा शंघोपन मानना साधनी पूर्वी अवसर अने सीलनी पूर्वी पादवा बदल मारा थपल कु मर श्री प्र.अ.के।काल साहेबनी पूर्वी अने वेश्नार्थ अन हर्ष शर्य पूर्व करते अंको सीलनी पालन पुरुष राय शंघोपन पालन अन्वेषण जाकर पालन आधार मानना घर वह देग जाने।

अभ्यासिका
ओकोऱ्याब १९८६

अभ्यासक
श्री. आर.अ.म. श्रमा